# MP Board Class 7th Hindi Bhasha Bharti Notes Chapter 20 महान् वैज्ञानिक : डॉक्टर चन्द्रशेखर वेंकटरमण

### महान् वैज्ञानिक : डॉक्टर चन्द्रशेखर वेंकटरमण
### परीक्षोपयोगी गद्यांशों की व्याख्या

1. डॉ. रमण देश के महान वैज्ञानिक थे। उनका विश्वास था कि इस देश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। वे चाहते थे कि हमारा देश वैज्ञानिक खोजों के मामले में अपने पैरों पर खड़ा हो और हमें विदेशों का मुँह न ताकना पड़े। देशवासियों का यह पुनीत कर्तव्य है कि सभी उनके इस विश्वास को कायम रखें।

सन्दर्भ-प्रस्तुत गद्यांश "महान वैज्ञानिक : डॉक्टर चन्द्रशेखर वेंकटरमण" नामक पाठ से अवतरित है। यह एक निबन्ध विधा है।

प्रसंग-इन पंक्तियों में स्पष्ट किया गया है कि डॉ. रमण देश के एक महान वैज्ञानिक थे। साथ ही बताया है कि हमारे देश में विज्ञान सम्बन्धी खोज करने के लिए प्रतिभावान लोगों को प्रोत्साहित किया जाये।

व्याख्या-डॉक्टर चन्द्रशेखर वेंकटरमण उच्चकोटि के विज्ञानवेत्ता थे। वे इस बात को मानते थे कि हमारे देश भारतवर्ष में वान लोगों की कमी नहीं है। उनकी इच्छा थी कि हमारा देश ज्ञान के क्षेत्र में खोज करे और इन खोजों के आधार पर आत्र नर्भर हो जाये। विज्ञान के क्षेत्र में विशेष खोजों के लिए दूसरे देशों में की जाने वाली खोजों के लिए इन्तजार न करना पड़े। अब यह बात हमारे देशवासियों के लिए एक पवित्र कर्तव्य एवं दायित्व की बनती है कि हम उनके विश्वास को स्थायी रूप में मान्यता दें।

#### शब्दकोश

प्रतिनिधित्व – प्रतिनिधि का कार्य करना; व्याख्यान = भाषण; पार्थिव = मिट्टी का, पृथ्वी से सम्बन्धित; पंचतत्व = पाँच तत्व (पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि, आकाश); विलीन = मिल जाना; पुनीत = पवित्र; कायम = स्थिर; अनुसंधान = खोज।